

CERTIFICATE IN GUIDANCE (CIG)

Term-End Examination

December, 2010

00025

**NES-104 : GUIDING SOCIO-EMOTIONAL
DEVELOPMENT OF CHILDREN**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Maximum Weightage : 70%

Note : Answer all the three questions. All questions carry equal weightage.

1. Answer the following question in about 1000 words. 30

What are the characteristics of children during late childhood? Discuss the developmental needs of these children.

OR

Explain the meaning and causes of fear and anxiety. Discuss different forms of therapies to treat fear and anxiety.

2. Answer the following question in about 1000 words. 30

'Ruchi is a 5 year old girl, but when she starts speaking, she stumbles, repeats words/sounds. Her speech is thus not understood by others'. Identify Ruchi's problem and discuss the factors responsible for it. Suggest corrective measures to help Ruchi overcome her difficulty.

OR

Jayant is a seven year defiant and aggressive boy. Illustrate how he can be helped to overcome his behavioural problems through play therapy. Mention the principles to be kept in mind by you during play therapy..

3. *Answer any four of the following questions in about 250 words each :* 40

- (a) Explain conversion syndrome with examples. Suggest how children with such syndrome can be helped in school ?
 - (b) Mention the characteristics of a restless child. How can you help a restless child ?
 - (c) Differentiate between assertion and defiance with examples.
 - (d) Describe the common features of mental retardation. Suggest any two practices to help mentally retarded children.
 - (e) What is the meaning of the term 'disadvantaged' ? Mention general problems of disadvantaged children.
 - (f) Discuss how over protection and rejection create emotional and behavioural problems among disabled children ?
-

मार्गदर्शन में प्रमाण-पत्र (सी.आई.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

एन.ई.एस.-104 : बच्चों के
सामाजिक-संवेगात्मक विकास में मार्गदर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

अधिकतम भार : 70%

- नोट : (i) सभी तीनों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों की अधिभारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए। 30
उत्तर बाल्यावस्था वाले बच्चों के लक्षण क्या हैं? इन बच्चों की
विकासात्मक आवश्यकताओं की चर्चा कीजिए।

अथवा

भय एवं चिंता के अर्थ और कारणों का वर्णन कीजिए। डर एवं
चिंता के उपचार हेतु चिकित्सा के विभिन्न रूपों की चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए। 30
रुचि, एक पाँच वर्षीय बालिका, जब बोलना शुरू करती है तो
अटकती है, शब्दों/ध्वनियों को दोहराती है। इसलिए दूसरे
उसकी बातों को समझ नहीं पाते। रुचि की समस्या की पहचान
करो और इसके लिए जिम्मेदार कारकों की चर्चा कीजिए। रुचि
को अपनी परेशानी से निपटने के लिए उचित उपायों को सुझाइए।

अथवा

जयंत एक, सात वर्षीय, अवज्ञाकारी एवं आक्रामक लड़का है। खेल उपचार द्वारा उसे अपने आचरण संबंधी समस्याओं से निपटने में कैसे मदद कर सकते हैं, इसे समझाइए। खेल चिकित्सा के दौरान ध्यान में रखने वाले नियमों को भी लिखें।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 40 लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए।

- (a) आक्षेप संलक्षण (बैहोशी के लक्षण) का सोदाहरण वर्णन कीजिए। विद्यालय में ऐसे लक्षणों वाले बच्चों की मदद कैसे कर सकते हैं, इसे समझाइए।
- (b) एक बेचैन बच्चे के लक्षणों को बताइए। आप एक बेचैन बच्चे की सहायता कैसे कर सकते हैं?
- (c) स्वाग्रह (हठ) और अवज्ञा के अंतर को उदाहरण सहित समझाइए।
- (d) मानसिक मंदता के सामान्य लक्षणों का विवरण दीजिए। मानसिक मंदता वाले बच्चों की सहायता हेतु किन्हीं दो उपायों को सुझाइए।
- (e) सुविधा-वंचन का क्या अर्थ है? सुविधा-वंचित बच्चों की सामान्य समस्याओं को लिखिए।
- (f) अशक्त बच्चों में अतिसुरक्षा एवं उपेक्षा संवेगात्मक एवं आचरण-संबंधित समस्याओं को कैसे बनाती हैं, इसकी चर्चा कीजिए।